



CLASS: V
SESSION NO :8
SUBJECT : (LO.HINDI)
CHAPTER NUMBER: पाठ- 9
TOPIC :संयुक्त व्यंजन, संयुक्ताक्षर एवं द्वित्व व्यंजन
SUB TOPIC: संयुक्ताक्षर और द्वित्व व्यंजन का परिचय, नए शब्द

CHANGING YOUR TOMORROW

अधिगम उद्देश्य

नए शब्दों से अवगत होना तथा
शब्दों की उपयोगिता का ज्ञान प्राप्त
करना

संयुक्त व्यंजन

संयुक्त व्यंजन 4 होते हैं

क्ष

त्र

ज्ञ

श्र

लेखन विधि

क्ष

= क् + ष् + अ

त्र

= त् + र् + अ

ज्ञ

= ज् + ज्ञ् + अ

श्र

= श् + र् + अ

मेरे घर में एक पक्षी है

उसके नेत्र बहुत सुंदर हैं

वह मेरे आज्ञा का पालन करता है

वह हमारे साथ आश्रम जाता है।

संयुक्ताक्षर

जब किसी शब्द में अलग-अलग प्रकार के दो व्यंजन एक साथ आ जाते हैं उसे संयुक्ताक्षर कहते हैं।

च् + छ - च्छ

प् + त - प्त

प् + य - प्य

क् + ख - क्ख

संयुक्ताक्षर

प्त - लुप्त गुप्त सुप्त

च्छ - अच्छा गुच्छा स्वच्छ

प्य - प्याज प्यार प्यास

कख - मकखन मकखी

द्वित्व व्यंजन

एक वर्ण का अपने जैसे वर्ण के साथ आना द्वित्व व्यंजन कहलाता है।

क् + क = क्क

ल् + ल = ल्ल

ट् + ट = ट्ट

च् + च = च्च

त् + त = त्त

स् + स = स्स

त्त = पत्ता कुत्ता

ट्ट = छुट्टी मिट्टी

ल्ल = बिल्ली दिल्ली

क्क = मुक्का धक्का

च्च = सच्चा बच्चा

स्स = रस्सी अस्सी

गृह कार्य

पृष्ठ संख्या 60 प्रश्न संख्या 1 और 2
का अभ्यास कॉपी में करें ।

सीखने के प्रतिफल

छात्रों में पठन अभ्यास के साथ-साथ उनकी शब्दावली का विकास होगा

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL
GROUP